Page:
Date: / /

⇒ प्रयोगात्मक अनुसंधान - Experimental research
→ नियंत्रित दशाओं में किए गए निरीक्षण को ही प्रयोग कहते हैं।
* यह एक उन्नत विधि है जिसके अन्तर्गत हम किसी प्रश्न समस्या का समाधान प्रस्तुत करते हैं।

⇒ Non-experimental research ⇒ जब चर (Variable) प्रयोग अनुसंधान के विपरीत कार्य करते हैं तब पश्चोन्मुखी अनुसंधान Ex post facto होता है।

चर (variable) ⇒ Independent variable / dependent variable.

प्रेरणा (Motivation) → learn (सीखना)
Independent → dependent

⇒ मात्रात्मक शोध (Quantitative research) → इस शोध में चरों (variables) की संख्या या मात्रा के आधार पर विश्लेषण किया जाता है।

⇒ गुणात्मक शोध (Qualitative Research) → इस शोध में चरों (variables) को उनके गुणों के आधार पर विश्लेषण किया जाता है।

⇒ Positivism and post-positivistic approach to ~~reach~~ research [प्रत्यक्षवाद - उत्तर प्रत्यक्षवाद]

Page:
Date: / /

⇒ * प्रत्यक्षवाद (positivism) वह सिद्धान्त है जो केवल वैज्ञानिक पद्धति से प्राप्त ज्ञान को ही, विश्वसनीय व प्रमाणिक मानता है।
* आगस्त कॉंत उन्हें समाजशास्त्र का पिता माना जाता है। उन्होंने तथ्यवाद (positivism) के विचार का प्रतिपादन किया।
* अरस्तु ने वैज्ञानिक पद्धति के आधार के रूप में प्रत्यक्षवाद या सकारात्मकतावाद के विचार का ही पोषण किया था।

* कॉम्टे ने मानवीय ज्ञान के प्रत्येक शाखा को अपनी प्रौढ़ावस्था तक पहुंचने के लिए तीन चरणों से होकर गुजरना स्वीकार किया है। कॉम्टे का कहना है कि समाज का विकास मानव बुद्धि के द्वारा ही होता है और इसकी तीन अवस्थाएँ हैं।
1. धर्मशास्त्रीय चरण (Theological Stage)
2. तत्वमीमांसीय चरण (Metaphysical Stage)
3. सकारात्मक चरण (positive Stage)

⇒ post-positivism ⇒ उत्तर प्रत्यक्षवाद में अनुसंधान को मानव संस्कृति के मानवीय मूल्यों, प्रतीकों और सामाजिक प्रक्रियाओं पर व्यक्तिपरक दृष्टिकोण से केंद्रित होना चाहिए।
* वेबर ने कहा कि विज्ञान हमें इस बात का उत्तर नहीं देता कि हम क्या करें

Page:
Date: / /

और किस प्रकार जीना सीखना चाहिए।